Title: Regarding an attack on Smt. Renu Kumari, Member of Parliament near Nangachia, Uttar Pradesh and need to provide security to her.

श्रीमती रेनु कुमारी (खगड़िया) : माननीय अध्यक्ष महोदय, इस लोक सभा में तीसरी चौथी बार इस समस्या को उठाया गया है और मैं आज इसे फिर उठा रही हूं।

हमारे खगड़िया लोक सभा क्षेत्र के बारे में सब जानते हैं कि वहा पर आतंकवादी, क्रिमिनल्स, गुण्डे आदि रहते हैं। ऐसे लोगों से हमारी लड़ाई होती रही है। मैं 27 अप्रैल की शाम की घटना आपको सुनाना चाहती हूं। माननीय रेल मंत्री जी का एक कार्यक्रम नौगछिया में था। मैं 10-15 गाड़ियों के साथ नौगछिया से लौट रही थी तो लाइन होटल के पास चुकती ओवरब्रिज है वहां पूर्व विधायक जो सजायाफ्ता है और वह धारा 302 की सजा काट चुका है, वह अपने 100-150 लोगों के साथ राइफल और लाठी लेकर खड़ा था।â€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : आपका सपोर्टर था । â€¦ (व्यवधान)

श्रीमती रेनु कुमारी : वह हमारा सपोर्टर क्यों होगा ? â€¦ (व्यवधान) वह हमारा सपोर्टर नहीं था। वह तो हमारे खिलाफ लड़ाई कर रहा था। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रेनु कुमारी जी, आप आसन की तरफ देखकर बोलिये।

...(व्यवधान)

श्रीमती रेनु कुमारी : उनके गुण्डों ने हमारी गाड़ी पर लाठी चलाई और हमारे लोगों को उतारा। सिर्फ मेरी गाड़ी को छोड़कर उन्होंने बाकी सारी गाड़ियां अपने पास रख लीं। हमने इस संबंध में एस.पी., डी.एम. और आई.जी. से कांटेक्ट किया लेकिन आज तक हमारी वे गाड़ियां नहीं छूटी हैं। मैं आपसे कहना चाहती हूं कि कोई भी लाठी लेकर रैली निकाले, त्रिशूल लेकर रैली निकाले या कल को हो सकता है कि कोई बेलन लेकर रैली निकाले, उससे हमें कोई मतलब नहीं है। जिस तरह से बिहार में कानून-व्यवस्था गिर रही है, उसका तो भगवान ही मालिक है। पाप का घड़ा फूटेगा। जब रावण का घमंड नहीं रहा तो और लोगों का क्या रहेगा। मैं यह बात तीसरी चौथी बार कह रही हूं। इससे पहले भी हमारे ऊपर कातिलाना हमला हो चुका है लेकिन आज तक आपने हमें सुरक्षा मुहैया नहीं कराई। यहां से उप प्रधान मंत्री, गृह मंत्री जी चले गये हैं। मैं आपके माध्यम से उनसे कहना चाहती हूं कि अगर â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रघुवंश जी, आप बैठ जाइये।

...(व्यवधान)

श्रीमती रेनु कुमारी : आपको क्या मतलब है ? â€¦ (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, *

हमारी उम्र की इनकी बेटी है। अगर इनकी बेटी पर हमला होता तो क्या ये ऐसे ही चुप रहते ? अध्यक्ष जी आप इनसे पूछिये। â€¦ (व्यवधान) हमारी उम्र की इनकी बेटी है। अगर इनकी बेटी के साथ इस तरह का अन्याय कोई करता तो क्या ये ऐसे ही चुप रहते *â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रघुवंश बाबू, आप बैठिये।

...(व्यवधान)

श्रीमती रेनु कुमारी : अध्यक्ष महोदय, मैंने कई बार कहा है कि हमें सुरक्षा दी जाये, सिक्योरिटी गार्ड दिया जाये लेकिन आज तक हमें वह सुविधा मुहैया नहीं कराई गयी। अगर हमें इस बार सिक्योरिटी नहीं दी गयी तो जिस तरह श्री हरेन पांड्या का जनाजा उठा है, उसी तरह क्या सरकार हमारा जनाजा उठने के बाद सिक्योरिटी की व्यवस्था करेगी। मैं फिर कह रही हूं कि अगर यह व्यवस्था नहीं होगी तो हमारी मानसिकता क्या होगी, यह हम नहीं जानते। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से कहना चाहती हूं कि हमें सिक्योरिटी प्रदान की जाये और इस घटना की जांच की जाये। â€¦ (व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा : अध्यक्ष महोदय, यह हम भारत सरकार से आग्रह करते है कि श्रीमती रेनु कुमारी को जरूर सुरक्षा प्रदान की जाये। जहां तक गाड़ी की छीना-झपटी का सवाल है तो उसे हम कंडेम

* Expunged as ordered by the Chair.

करते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि भारत सरकार के रेल मंत्री ने बजाफ्ता पटना में प्रैस को कहा कि जिसकी लाठी उसकी भैंस पहले होता था लेकिन अब जिसकी लाठी उसकी रेल। जब भारत सरकार के रेल मंत्री उस रैली को सपोर्ट कर रहे हैं तो फिर दूसरे की क्या बात हो सकती है ? â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, रेनू कुमारी जी हमारी पार्टी की सांसद हैं। हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि ये कई बार सदन में यह सवाल उठा चुकी हैं। यह बहुत गंभीर सवाल है। बीच के दिनों में डी.जी.पी. से भी इनकी टेलीफोन पर कुछ गर्मा-गर्म बातें हुई थीं जिसके बारे में आपको प्रिविलेज मोशन दिया गया है। आप उस प्रिविलेज मोशन को वहीं रहने दीजिए लेकिन रेनु कुमारी की सुरक्षा के लिए आप स्वयं अपने स्तर से भारत सरकार को निर्देश दीजिए। â€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : रेनु कुमारी का कोई सुनने वाला नहीं है। â€¦ (व्यवधान)

श्रीमती रेणुका चौधरी (खम्माम) : रेनु कुमारी के साथ रेणुका चौधरी हैं। â€¦ (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मुझे तो सुरक्षा नहीं चाहिए लेकिन आप रेनु कुमारी को जरूर सुरक्षा दीजिए। â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि बिहार की स्थिति बद से बदतर है। यह आपसे छिपा हुआ नहीं है। बिहार में रेनु कुमारी की जान पर खतरा है। बिहार की हुकूमत के जो गुण्डे हैं, वे रेनु कुमारी के पीछे पड़े रहते हैं।

इसलिए हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि आप रेनु कुमारी जी की सुरक्षा की विशेा व्यवस्था कीजिए।â€¦ (व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा : अध्यक्ष महोदय, वे गुस्से में बोल रहे हैं। गुंडा शब्द को निकाल दिया जाए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : लोक सभा को बिहार सभा मत बनाइए।

â€¦ (व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती भावनाबेन देवराजभाई चीखलीया) : अध्यक्ष महोदय, श्रीमती रेनु कुमारी ने सुरक्षा का जो विाय उठाया है, मैं आपकी अनुमति से उसे गृह मंत्री जी को सूचित कर दूंगी।â€¦ (व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष महोदय, मैम्बर ऑफ पार्लियामैंट की सुरक्षा के संबंध में सरकार को एक पॉलिसी बनानी चाहिए। डिप्टी प्राइम मिनिस्टर ने अपनी सारी सुरक्षा प्रधान मंत्री के समान ले ली है। हमारी जो जेड केटेगरी की सुरक्षा थी, उसे हटा दिया गया है। हम लोग लाज के मारे कुछ नहीं बोलते। इसलिए सुरक्षा के संबंध में भी एक नीति तय होनी चाहिए कि कौन से मैम्बर को सुरक्षा दी जाए, किस व्यक्ति को सुरक्षा की जरूरत है।â€¦ (व्यवधान)

श्री जे.एस.बराड़ (फरीदकोट) : अध्यक्ष महोदय, ये बिना बारी के बोले जा रहे हैं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : श्री बरार जो बोलेंगे, केवल वही रिकार्ड में जाएगा।

...(व्यवधान)... *

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम एक निवेदन करना चाहते हैं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने आपको दो बार बोलने की अनुमति दी है, अब और नहीं दे सकता।

â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : राज्य मंत्री ने कहा कि हम गृह मंत्री जी को सूचना दे देंगे। लेकिन सूचना से सुरक्षा की व्यवस्था नहीं होगी। हम चाहेंगे कि आप आसन से निर्देशित कीजिए कि श्रीमती रेनु कुमारी की सुरक्षा की व्यवस्था हो।